ACHARYA SHREE SURENDRASURISHWARJI JAIN TATVA GYANSHALA

12, SHREYANSNATH SOCIETY, B/H DHARNIDHAR TEMPLE,
GODAVARI ROAD, VASANA, AHMEDABAD-7

Book Issue Slip

Member No. : 1025 **Mobile Number :** 9428502456 **Receipt No. :** A0284
Member Name : पू.आचार्य भ. विजय जगचंद्रसूरीश्वरजी म.सा. **Total Issued :** 747
Address : 11, भुवनेश्वरपार्क सोसायटी, नारणपुरा क्रोसींग, नारणपुरा
Issue Date : 09/08/2022 **Last Date :** 07/11/2022

Vargank No.	Kruti Name
AM03224	महाप्रत्याख्यान प्रकीर्णक (नवनिर्मित सं. टीका)
AM03072	महाप्रत्याख्यानप्रकीर्णकम् (महापंचखाणम्)
AM03180	मरण विभक्ति प्रकीर्णक
AM03222	चन्द्रावेदयक प्रकीर्ण (चंद्राविजाई)
AM01472	देवेन्द्रस्तव प्रकीर्णक नवम्
AM01467	देवेन्द्रस्तव प्रकीर्णक
AM01155	चतु:शरणाहिमरणसमाध्यन्तं प्रकीर्णक दशक (छाया युतम्)
AM01187	चतु:शरणादिमरणसमाध्यमं प्रकीर्णकदशकं (छायायुतम्)
AC03287	तंदुलवेयालियपइण्णयं (तंदुलवैचारिक-प्रकीर्णक)
AC02443	तंदुलवेयालियपइण्णयं (तंदुलवैचारिक-प्रकीर्णक)
AC02351	संथारगपइण्णयं (संस्तारक-प्रकीर्णक)
AC02349	गणिविज्जापइण्णयं (गणिविद्या-प्रकीर्णक))
AB01610	भक्त परिज्ञा प्रकीर्णकम् अवचूरि
AB01609	भक्त परिज्ञा प्रकीर्णकम् अवचूरि
AC04967	परिशिष्टपर्व भाषांतर

Notes : AM03224, AM03072, AM03180, AM03222, AM01472, AM01467, AM01155, AM03180, AM01187, AC03287, AM03072, AC02443, AC02351, AC02349, AB01610, AB01609, AC04967 - आ. कल्पयशसूरि म.सा - गांधीनगर
AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AB - B Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AC - C Size Books,वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमदावाद,AM - प्रत विभाग, वासणा ज्ञानभंडार, अमद

Book Received By Book Issue By

संस्थाना नियमो :
1) संस्थाना पुस्तको फक्त मेम्बरने ज आपवामां आवशे.
2) पुस्तक 90 दिवसमां परत करवानुं रहेशे, कदाच वधारे समय राखवानुं थाय तो 90 दिवस बाद रिन्यु करावबु अनिवार्य छे.
3) पुस्तक फाटी के खोवाय जाय तो वाचके संस्था नक्की करे तेटलो दंड भरवानो रहेशे. दंडनी रकम पुस्तकनी छापेली किंमत करता वधु होई शके छे.